कपास नई खोज़

भा.कृ.अनु.प. - केंद्रीय कपास अनुसंधान संस्थान द्वारा प्रकाशित साप्ताहिक संवाद-पत्र

देखें: www.cicr.org.in

अंक: 3 खंड: 8 अगस्त 17–23, 2014

केंद्रीय कपास अनुसंधान संस्थान, क्षेत्रीय केंद्र, कोयंबटूर में कपास फ्रांट लाईन प्रदर्शनों

वर्ष 2014-15 के दौरान कपास में, एकीकृत फसल प्रबंधन में दस (10) प्रदर्शनों, आंतर कपास फसल पर कुल दस (10) प्रदर्शनों और ई.एल.एस. कपास उत्पादन में पच्चीस (25) प्रदर्शनों भारत सरकार की प्रायोजित योजना एफ.एल.डी / एन.एफ.एस.एम (वाणिज्यिक फसलों) तहत केंद्रीय कपास अनुसंधान संस्थान, कोयम्बत्तूर के लिए आवंटित किए गए थे । आवंटित प्रदर्शनों का आयोजन के लिए कुल 112 किसानों की पहचान तमिलनाडु के कोयंबटूर और इरोड जिले में किया गया है। आधार-लाइन सर्वेक्षण पहचान किसानों के बीच आयोजित किया गया और तदनुसार प्रौद्योगिकीय हस्तक्षेप एफ.एल.डीयों के लिए योजना बनाई गई । दि. 21/08/14 को, एक किसानों की बैठक इरोड जिला में आयोजित की गयी और सूरज के बिनौले प्रदर्शनों का आयोजन हेतु उन्हें वितरित किए गए। केंद्रीय कपास अनुसंधान, संसेथान, क्षेत्रीय केंद्र, कोयंबत्तूर के डॉ.के.रथिनवेल, प्रधान वैज्ञानिक डॉ (श्रीमती) बी.धाराजोति, प्रधान वैज्ञानिक और डॉ (श्रीमती) एस.उषारानि वरिष्ठ वैज्ञानिक बैठक में किसानों को संबोधित कर रहे थे।

तमिलनाडु के उ.घ.रो.प्र. के किसानों हेतु बीज वितरण

परियोजना एन.एफ.एस.एम/आई.आर.एम/एच.डी.पी.एस के तहत एक गतिविधि के रूप में जो तमिलनाडु के कोयंबटूर और इरोड जिले में कार्यान्वित किया किया जा रहा है, वहाँ कपास के किस्मों (सूरज और अंजलि) के बिनौले किसानों को वितरित किए गए । डॉ.बी.धाराजोति, परियोजना के राज्य समन्वयक ने बोवाई की विधि के बारे में, उपज बढ़ाने के लिए "उच्च घनत्व रोपण प्रणाली (उ.घ.रो.प्र.)' का लाभ एवं फसल उगने के लिए अनुसरण करने के अन्य एहतियाती कदम के संबंध में विस्तार से बताया। डॉ.के.रथिनवेल,प्रधान वैज्ञानिक और डॉ.एस.उषारानि, वरिष्ठ वैज्ञानिक भी एच.डी.पी.एस. तहत कपास उगने के फायदे के बारे में किसानों को संबोधित कर रहे थे।

दौर

डॉ.के.आर.क्रांति, निदेशक, के.क.अ.सं, डॉ.डी.ब्लैस, प्रधान, फसल उत्पादन एवं ए.आर.राजु, प्रधान वैज्ञानिक, सस्य विज्ञान ने दि.23.8.2014 को उमरेड के एच.डी.पी.एस कपास परीक्षणों का दौर किया ।

अन्य गतिविधियां

डॉ.एस.माणिक्कम, प्रधान वैज्ञानिक (पौधा प्रजनन) डी.एस.टी परियोजना के तहत परियोजना सहयोगी के पद के लिए चुनाव समिति के एक बाहरी सदस्य के रूप में निदेशक , गन्ना प्रजनन संस्थान द्वारा नामित किए गये थे। चयन समिति की बैठक 19/08/14 को आयोजित की गई थी ।

निर्मित एवं प्रकाशित: डॉ. के.आर.क्रांति, निदेशक, के.क.अ.सं, नागपुर
प्रमुख संपादक: डॉ. नंदिनी गोक्टे-नार्खडेकर
संपादकों: डॉ. जे.एन्नि शीबा, डॉ. विश्लेष नगरारे, डॉ. जे.अमुदा एवं डॉ. एम.शरवणन
जनसंचार माध्यम समर्थन एवं रुपांकन: डॉ. एम.सबेष एवं श्री. एस.सत्यकुमार
हिन्दी अनुवाद: श्रीमति. के.सुभश्री एवं डॉ. अ.हि.प्रकाश
निर्मित समर्थन: श्री. संजय कुश्वाहा

प्रमाण: कपास नई खोज अंक-3, खंड-8, 2014, भा.कृ.अनु.प. - केंद्रीय कपास अनुसंधान संस्थान, नागपुर

प्रकाशन टिप्पणी: यह समाचार पत्र आनलाईन http://www.cicr.org.in/News Letter.html में उपलब्ध है।
कपास नई खोज एक खुला उपयोग कपास समाचार पत्र है ।

कपास नई खोज - के.क.अ.सं, समाचार पत्र केंद्रीय कपास अनुसंधान संस्थान, नागपुर द्वारा प्रकाशित साप्ताहिक संवाद-पत्र.
कार्यालय: पांजरी, एल.पी.जी. बॉटलिंग प्लॉन्ट के पास, वर्धा रॉड, नागपुर- 441 108.
दूरभाष: 07103-275536 फैक्स: 07103-275529; E-mail: cicrnagpur@gmail.com